Agriculture University signs MoU with Warehousing Development

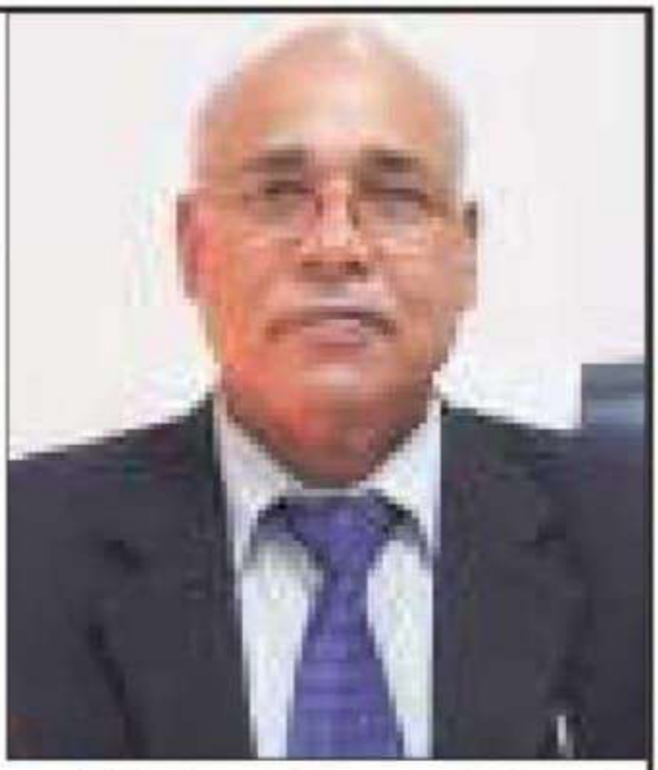

MoU was signed between Acharya Narendra Dev University of Agriculture and Technology, Warehousing Development and Regulatory Authority, New Delhi. The MoU was signed by Vice Chancellor Dr. Bijendra Singh on behalf of the Agricultural University and Jitesh Sharma, Director, Regulatory Authority, New Delhi. University Vice-Chancellor Dr. Bijendra Singh said that after the MoU, the university will run an awareness program for farmers, traders and millers. On the other hand, a five-day capacity building program will be conducted for warehouse managers, owners. He informed that a five-day training will also be given to warehouse registered quality control staff so that the quality of agricultural produce of the farmers can be maintained as well as the income of the farmers can be increased.

,उत्तर-प्रदेश,राजस्थान,बिहार,महाराष्ट्र,गुजरात,संघ प्रदेश,से एक साथ प्रसारित

RNI NO - UTTHIN/2018/76731

हिन्दी दैनिक

गांव देहात की खबर,शहर पर भी नजर

दि ग्राम टुडे

रविवार, 09 अप्रैल 2023,कानपुर

सब्जी की फसलों में कीट एवं रोगों के प्रबंधन पर जारी की एडवाइजरी..डॉक्टर अजय कुमार सिंह

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(सत्येंद्र कुमार)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज दलीप नगर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी एवं फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने सब्जी उत्पादक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में सब्जियों में कई प्रकार के कीड़े लगते हैं जिनका प्रबंधन किया जाना नितांत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सब्जी उत्पादन की पूरी क्षमता हासिल करने में अनेक कीट एवं बीमारियों का प्रकोप होने से आर्थिक नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि एक आकलन के अनुसार कीटों से 30 से 40% तक पैदावार में नुकसान हो जाता है। डॉक्टर सिंह ने किसानों को बताया कि सब्जियों के फलों पर फल मक्खी कीट का ज्यादा प्रकोप होता है।जो नरम फलों में सुरंग करता है तथा फल अंदर से सड़ जाता है जिससे किसानों का आर्थिक नुकसान होता है।इसकी रोकथाम के लिए मेलाथियान 50 ई सी नामक कीटनाशक का बुरकाव फसल पर करना चाहिए। इसके साथ ही लाल भृंग कीट भी नुकसान पहुंचाता है। जो पतियों,फलों

की ऊपरी सतह को चट कर जाता है। इसकी रोकथाम के लिए 50 ईसी मेलाथियान पाउडर का बुरकाव करना चाहिए। डॉ सिंह ने सब्जी उत्पादक किसानों को सलाह देते हुए बताया कि सफेद मक्खी व रस चूसने वाले कीड़े भी फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। इनकी रोकथाम के लिए 100 मिलीलीटर इमिडाक्लोप्रिड 200 एस एल प्रति हैक्टेयर पानी में घोलकर छिड़काव करें। जिससे कि कीट प्रबंधन होगा और फसल अच्छी होगी।

सब्जी की फसलों में कीट एवं रोगों का प्रबंधन करें

डीटीएनएन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज दलीप नगर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी एवं फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने सब्जी उत्पादक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में सब्जियों में कई प्रकार के कीड़े लगते हैं जिनका प्रबंधन किया जाना नितांत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सब्जी उत्पादन की पूरी क्षमता हासिल करने में अनेक कीट एवं बीमारियों का प्रकोप होने से आर्थिक नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि एक आकलन के अनुसार कीटों से 30 से 40त्न तक पैदावार में नुकसान हो जाता है। डॉक्टर सिंह ने किसानों को बताया कि सब्जियों के फलों पर फल मक्खी कीट का ज्यादा प्रकोप होता है।जो नरम फलों में सुरंग करता है तथा फल अंदर से सड़ जाता है जिससे किसानों का आर्थिक नुकसान होता है।इसकी रोकथाम के लिए मेलाथियान 50 ई सी नामक कीटनाशक का बुरकाव फसल पर करना चाहिए। इसके साथ ही लाल भृंग कीट भी नुकसान पहुंचाता है। जो पतियों,फलों की ऊपरी सतह को चट कर जाता है। इसकी रोकथाम के लिए 50 ईसी मेलाथियान पाउडर का बुरकाव करना चाहिए। डॉ सिंह ने सब्जी उत्पादक किसानों को सलाह देते हुए बताया कि सफेद मक्खी व रस चूसने वाले कीड़े भी फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। इनकी रोकथाम के लिए 100 मिलीलीटर इमिडाक्लोप्रिड 200 एस एल प्रति हैक्टेयर पानी में घोलकर छिड़काव करें। जिससे कि कीट प्रबंधन होगा और फसल अच्छी होगी।

सूचना

मेरी यूपी बोर्ड 10वीं की मूल सनद व अंकपत्र (रोल नं0 1348364) तथा 12वीं का मूल अंकपत्र-सह-सनद (रोल नं0 1047110) आईआईटी रफ्फी में दिनांक 13/03/2023 को कहीं खो गई है।

मृदुल तिवारी पुत्र सुरेश कुमार
कानपुर-208016 (यू.पी.)

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

प्रधानमंत्री मोदी ने चेन्नई-कोयंबटूर वंदे भारत... 12

194 करोड़ की 55 परियोजनाओं का किया... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ

वर्ष: 14 | अंक: 176

मूल्य: ₹3.00/-

पेज : 12

रविवार | 09 अप्रैल, 2023

फास्ट फॉरवर्ड

सब्जी उत्पादक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित दलीप नगर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी एवं फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ.अजय कुमार सिंह ने सब्जी उत्पादक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में सब्जियों में लगने वाले कीड़ों का प्रबंधन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एक आकलन के अनुसार कीटों से 30 से 40 फीसदी तक पैदावार में नुकसान हो जाता है। उन्होंने किसानों को बताया कि सब्जियों के फलों पर फल मक्खी कीट का ज्यादा प्रकोप होता है जो नरम फलों में सुरंग करता है तथा फल अंदर से सड़ जाता है जिससे किसानों का आर्थिक नुकसान होता है। इसकी रोकथाम के लिए मेलाथियान 50 ई सी नामक कीटनाशक का बुरकाव फसल पर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लाल भृंग कीट पत्तियों,फलों की ऊपरी सतह को चट कर जाता है। इसकी रोकथाम के लिए 50 ईसी मेलाथियान पाउडर का बुरकाव करना चाहिए। डॉ.सिंह ने सब्जी उत्पादक किसानों को सलाह देते हुए बताया कि सफेद मक्खी व रस चूसने वाले कीड़े भी फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। इनकी रोकथाम के लिए 100 मिलीलीटर इमिडाक्लोप्रिड 200 एस एल प्रति हैक्टेयर पानी में घोलकर छिड़काव करें। जिससे कि कीट प्रबंधन होगा और फसल अच्छी होगी।